2026-27

हिन्दी (कोड 001)

कक्षा– 9

पूर्णांक– 100 (सैद्धान्तिक– 80 अंक + आन्तरिक मूल्यांकन– 20 अंक)

सैद्धान्तिक भागः समय– 3 घंटा पूर्णांक– 80 (हिन्दीः 56+ अनिवार्य संस्कृतः 24)

हिन्दी	**56**
खण्ड क– अपठित गद्यांश	08
खण्ड ख– रचना	12
खण्ड ग– व्यावहारिक–व्याकरण	10
खण्ड घ– पाठ्य–पुस्तकें	
• क्षितिज भाग–1	20
• कृतिका भाग–1	06
संस्कृत	**24**
खण्ड ङ– संस्कृत पाठ्यपुस्तक	18
खण्ड च– संस्कृत व्याकरण	04
खण्ड छ– वाक्य रचना	02

खण्ड क– अपठित गद्यांश

1. एक साहित्यिक गद्यांश (300 से 350 शब्द) **08**
गद्यांश में शीर्षक का चुनाव, विषय वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर आधारित प्रश्न (वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरीय/लघूत्तरीय प्रकार के) पूछे जायेंगे।

खण्ड ख– रचना **12**

2. किसी आधुनिक विषय पर संकेत बिन्दुओं पर आधारित निबंध लेखन (लगभग 200 शब्दों में) 08

3. पत्र–लेखन (औपचारिक/अनौपचारिक पत्र) 04

खण्ड ग– व्यावहारिक व्याकरण **10**

4. शब्द निर्माण (उपसर्ग– 01 अंक, प्रत्यय– 01 अंक व समास– 02 अंक) 04

5. वाक्य–रचना–वाक्य के अंग, अर्थ के अनुसार वाक्य–भेद 03

6. अलंकार (शब्दालंकार– अनुप्रास, यमक)(अर्थालंकार– उपमा, रूपक) 03

खण्ड घ– पाठ्य–पुस्तकें

- **क्षितिज भाग–1** **20**

7. (अ) काव्यांश पर आधारित अर्थ–ग्रहण संबंधी एक प्रश्न	03	03
(ब) काव्यांश पर आधारित अर्थ–ग्रहण संबंधी तीन प्रश्न	3X1	03
8. निर्धारित कविताओं में से तीन बोधात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न	2+2	04
9. (अ) गद्यांश पर आधारित अर्थ ग्रहण संबंधी एक प्रश्न	03	03
(आ) गद्यांश पर आधारित अर्थ ग्रहण संबंधी तीन प्रश्न	3X1	03
10. गद्य पाठों पर आधारित तीन में से दो बोधात्मक प्रश्न	2+2	04

- **कृतिका भाग–1** **06**

11. पाठों पर आधारित चार में से तीन लघूत्तरात्मक प्रश्न	2+2+2	06

खण्ड ङ– पाठ्यपुस्तक संस्कृत सम्बोधिनी

12. (अ) गद्य अनुच्छेद पर आधारित तीन में से दो प्रश्नों के उत्तर	2+2	04
(आ) गद्य अनुच्छेद पर आधारित दो प्रश्न	1+1	02
13. पद्य अनुच्छेद पर आधारित दो में से एक प्रश्न का उत्तर	02	02
(आ) पद्य अनुच्छेद पर आधारित दो प्रश्न	1+1	02
14. पाठ्य–पुस्तक पर आधारित चार में से तीन प्रश्नों के उत्तर	2+2+2	06
15. दिए गये शब्दों की सहायता से वाक्य पूरा करना (छः प्रश्नों में से चार वाक्य बनाना)	4X½	02

खण्ड च– संस्कृत व्याकरण **04**

16. {संधि, स्वर संधि (दीर्घ, वृद्धि एवं गुण संधि) समास, कारक, उपसर्ग} तीन प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर	2+2	04

खण्ड छ– वाक्य रचना **02**

17. दिए गये शब्दों में से किन्हीं चार का प्रयोग कर चार संस्कृत वाक्यों की रचना करना	4X½	02
अथवा		
दिए गये तीन वाक्यों में से दो का संस्कृत में अनुवाद करना	1+1	02
अथवा		
स्मृति आधारित श्लोक लिखना	02	02

नोट– <u>प्रश्नपत्र में पूछे जाने वाले प्रश्नों में 20% भारांक (16 अंक) के वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से आधे प्रश्न (08 अंक) अनिवार्य रूप से बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे।</u>

आन्तरिक मूल्यांकन– 20 अंक।

2026-27

कक्षा–10

पूर्णांक– 100 (सैद्धान्तिक– 80 अंक + आन्तरिक मूल्यांकन– 20 अंक)

सैद्धान्तिक भागः समय– 3 घंटा पूर्णांक– 80 (हिन्दीः 56+ अनिवार्य संस्कृतः 24)

हिन्दी	**56**
खण्ड क– अपठित गद्यांश	07
खण्ड ख– रचना	12
खण्ड ग– व्यावहारिक–व्याकरण	10
खण्ड घ– पाठ्य–पुस्तकें	
• क्षितिज भाग– 2	21
• कृतिका भाग– 2	06
संस्कृत	**24**
खण्ड ङ– संस्कृत पाठ्यपुस्तक	18
खण्ड च– संस्कृत व्याकरण	04
खण्ड छ– वाक्य रचना	02

खण्ड क– अपठित गद्यांश **07 अंक**

1. एक साहित्यिक गद्यांश (450 से 600 शब्द)
   गद्यांश में शीर्षक का चुनाव, विषय वस्तु का बोध, भाषिक विशेषताओं आदि पर अति लघूत्तरात्मक पॉच प्रश्न पूछे जायेंगे। 2+2+1+1+1 07

खण्ड ख– रचना **12 अंक**

2. किसी आधुनिक विषय पर संकेत बिन्दुओं पर आधारित निबंध लेखन 08
3. पत्र लेखन (औपचारिक/अनौपचारिक पत्र) 04

खण्ड ग– व्यावहारिक व्याकरण **10 अंक**

4. क्रिया–भेद : अकर्मक/सकर्मक 02
5. अव्यय : समुच्चयबोधक, क्रिया विशेषण और अन्य अविकारी शब्द 02
6. वाक्य भेद : स्वरूप परिवर्तन 02
7. वाच्य– कर्तृवाच्य, अकर्तृवाच्य 02
8. अनेकार्थी शब्द 02

खण्ड घ– पाठ्य पुस्तकें

• क्षितिज भाग– 2 **21 अंक**

9. दो में से किसी एक काव्यांश पर अर्थ–ग्रहण संबंधी तीन में से दो प्रश्न 2+2 04
10. कविताओं पर आधारित विषय–वस्तु संबंधी तीन में से दो प्रश्न 2+2 04
11. कविताओं के संदेश/जीवन मूल्यों पर दो लघूत्तरात्मक प्रश्न 1+1 02
12. दो में से एक गद्यांश पर अर्थग्रहण संबंधी दो प्रश्न 2+2 04
13. गद्य पाठों के विचार/संदेश से संबंधी तीन में से दो प्रश्न 2+2 04
14. गद्य पाठों के विचार/संदेश से सम्बन्धित दो लघूत्तरात्मक प्रश्न 2+1 03

• कृतिका भाग– 2 **06 अंक**

15. पाठों पर आधारित चार में से तीन लघूत्तरात्मक प्रश्न 2+2+2 06

खण्ड ङ– पाठ्यपुस्तक संस्कृत सम्बोधिनी **18 अंक**

16. गद्य अनुच्छेद पर आधारित चार में से तीन प्रश्नों के उत्तर 2+2+2 06

17. पद्य अनुच्छेद पर आधारित तीन में से दो प्रश्नों के उत्तर	2+2	04
18. पाठ्य–पुस्तक पर आधारित चार में से तीन प्रश्नों के उत्तर	2+2+2	06
19. दिए गये शब्दों की सहायता से वाक्य पूरा करना (छः प्रश्नों में से चार वाक्य बनाना)	4X½	02
खण्ड च– संस्कृत व्याकरण		**04 अंक**
20. संधि, स्वर संधि (यण, अयादि, पूर्वरूप, पररूप) समास, कारक, उपसर्ग (पाँच प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर)	4X1	04
खण्ड छ– वाक्य रचना		**02 अंक**
21. दिए गये छः स्वतंत्र पदों में से चार की संस्कृत वाक्यों में रचना	4X½	02
अथवा		
दिए गये तीन वाक्यों में से दो का संस्कृत में अनुवाद करना	1+1	02

नोट– <u>प्रश्नपत्र में पूछे जाने वाले प्रश्नों में 20% भारांक (16 अंक) के वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से आधे प्रश्न (08 अंक) अनिवार्य रूप से बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे।</u>

आन्तरिक मूल्यांकन– 20 अंक

.....

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें–

कक्षा–9

1. **क्षितिज, भाग–1,** (कक्षा 9) एन0सी0ई0आर0टी0, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण।
2. **कृतिका, भाग–1,** (कक्षा 9) एन0सी0ई0आर0टी0, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण।
3. **संस्कृत सम्बोधिनी प्रथमोः भागः** (कक्षा 9)।

कक्षा–10

1. **क्षितिज, भाग–2,** (कक्षा 10) एन0सी0ई0आर0टी0, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण।
2. **कृतिका, भाग–2,** (कक्षा 10) एन0सी0ई0आर0टी0, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण।
3. **संस्कृत सम्बोधिनी द्वितीयोः भागः** (कक्षा 10)।

कक्षा–9

क्षितिज भाग 1

गद्य खंड	**1. प्रेमचंद** दो बैलों की कथा **2. राहुल सांकृत्यायन** ल्हासा की ओर	**3. श्यामाचरण दुबे** उपभोक्तावाद की संस्कृति **4. जाबिर हुसैन** सॉवले सपनों की याद	**5. महादेवी वर्मा** मेरे बचपन के दिन
काव्य खंड	**6. कबीर** साखियॉ एवं सबद **7. रसखान** सवैये	**8. माखनलाल चतुर्वेदी** कैदी और कोकिला **9. सुमित्रानंदन पंत** ग्राम श्री	**10. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना** मेघ आए **11. राजेश जोशी** बच्चे काम पर जा रहे हैं

कृतिका भाग 1

1. **इस जल प्रलय में** – *फणीश्वरनाथ रेणु*
2. **रीढ़ की हड्डी** – *जगदीश चंद्र माथुर*

संस्कृत सम्बोधिनी प्रथमोः भागः

पाठानुक्रमः	**पाठस्य नाम**	**विधा**
	मंगलपदम्	पद्यम्
प्रथमः पाठः	पंचप्रयागानां महत्त्वम्	गद्यम्
द्वितीयः पाठः	वचनाऽमृतम्	पद्यम्
तृतीयः पाठः	महर्षिः वाल्मीकिः	एकांकी
चतुर्थः पाठः	उत्तराखण्डस्य वनसम्पदा	गद्यम्
पंचमः पाठः	चन्द्रे चन्द्रयानम्	संवादः
पष्ठः पाठः	न्यायप्रियः ग्वल्लदेवः	लोककथा
सप्तमः पाठः	संघटिता वयम्	पद्यम्

कक्षा–10

क्षितिज भाग 2

काव्य खंड	**1. सूरदास** ऊधौ, तुम हौ अति बड़ीभागी मन की मन ही मॉझ रही हमारैं हरि हारिल की लकरी हरि हैं राजनीति पढ़ि आए **2. तुलसीदास** राम–लक्ष्मण–परशुराम संवाद	**3. जयशंकर प्रसाद** आत्मकथ्य **4. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'** उत्साह अट नहीं रही है	**5. नागार्जुन** यह दंतुरित मुसकान फसल **6. मंगलेश डबराल** संगतकार
गद्य खंड	**7. स्वयं प्रकाश** नेताजी का चश्मा **8. रामवृक्ष बेनीपुरी** बालगोबिन भगत	**9. मन्नू भंडारी** एक कहानी यह भी **10. भदंत आनंद कौसल्यायन** संस्कृति	

कृतिका भाग 2

1. **माता का अँचल** – *शिवपूजन सहाय*
2. **साना–साना हाथ जोड़ि.... .** – *मधु कांकरिया*

संस्कृत सम्बोधिनी द्वितीयोः भागः

पाठानुक्रमः	पाठस्य नाम
	"सरस्वती वन्दना"
प्रथमः पाठः	हृदयपरिवर्तनम्
द्वितीयः पाठः	जीविकोपार्जनम्
तृतीयः पाठः	वृक्षाः नः प्राणाः
चतुर्थः पाठः	अमृत वचनानि
पंचमः पाठः	भारतस्य चत्वारि धामानि
षष्ठः पाठः	हास्यकणिकाः
सप्तमः पाठः	मेऽनारतं भारतम्
अष्टमः पाठः	शल्यचिकित्सकः सुश्रुतः

आन्तरिक मूल्यांकन (20 अंक)–कक्षा 9 व 10 में हिन्दी विषय में आन्तरिक मूल्यांकन निम्नवत् किया जायेगा–

क्र0सं0	मूल्यांकन बिन्दु	निर्धारित अंक
1	श्रवण कौशल (LISTENING SKILL)	4
2	वाचन कौशल (SPEAKING SKILL)	4
3	परियोजना कार्य– अ) विषयवस्तु, भाषा एवं प्रस्तुति, मौलिकता ब) परियोजना कार्य पर आधारित मौखिकी	 4 3
4	सतत मूल्यांकन (इकाई परीक्षा)	5
	कुल योग	**20**

आन्तरिक मूल्यांकन हेतु मूल्यांकन बिन्दु–

1. श्रवण कौशल (LISTENING SKILL)- सुनना (LISTENING)

वर्णित या पठित सामग्री को सुनकर अर्थग्रहण करना, वार्तालाप, वाद विवाद, भाषण, कविता पाठ आदि को सुनकर समझना, मूल्यांकन करना और अभिव्यक्ति के ढंग को जानना।

श्रवण (सुनना) का मूल्यांकन (ASSESSMENT OF LISTENING)

परीक्षक किसी प्रासंगिक विषय पर एक अनुच्छेद का स्पष्ट वाचन करेगा। अनुच्छेद तथ्यात्मक या सुझावात्मक हो सकता है। अनुच्छेद लगभग 200 शब्दों का होगा। परीक्षक को सुनते–सुनते परीक्षार्थी अलग कागज पर दिये हुए श्रवण बोध के अभ्यासों को हल कर सकेंगे। अभ्यास रिक्त स्थान पूर्ति, बहुविकल्पीय प्रश्न अथवा सत्य/असत्य का चुनाव आदि विधाओं में हो सकते हैं।

2. वाचन कौशल (SPEAKING SKILL)- बोलना (SPEAKING)

- भाषण, वाद–विवाद
- गति, लय, आरोह–अवरोह सहित सस्वर कविता–वाचन
- वार्तालाप और उसकी औपचारिकताएँ
- कार्यक्रम–प्रस्तुति
- कथा–कहानी अथवा घटना सुनना
- परिचय देना, परिचय प्राप्त करना
- भावानुकूल संवाद–वाचन

वार्तालाप की दक्षताएँ

टिप्पणी– वार्तालाप की दक्षताओं का मूल्यांकन निरंतरता के आधार पर परीक्षा के समय होगा।

वाचन (बोलना) का मूल्यांकन (ASSESSMENT OF SPEAKING)

- चित्रों के क्रम पर आधारित वर्णनः इस भाग में अपेक्षा की जाएगी कि परीक्षार्थी विवरणात्मक भाषा का प्रयोग करें।
- किसी चित्र का वर्णनः (चित्र लोगों के या स्थानों के हो सकते हैं।)
- किसी निर्धारित विषय पर बोलना जिससे वह अपने व्यक्तिगत अनुभव का प्रत्यास्मरण कर सकें।

- कोई कहानी सुनना या किसी घटना का वर्णन करना।

टिप्पणी–

1. परीक्षण से पूर्व परीक्षार्थी को तैयारी के लिए कुछ समय दिया जाय।
2. विवरणात्मक भाषा में वर्तमान काल का प्रयोग अपेक्षित है।
3. निर्धारित विषय परीक्षार्थी के अनुभव संसार के हों जैसे– कोई चुटकुला या हास्य–प्रसंग सुनाना, हाल में पढ़ी पुस्तक या देखे गये सिनेमा की कहानी सुनाना।
4. जब परीक्षार्थी प्रश्न पत्र प्रारम्भ कर दें तो परीक्षक कम से कम हस्तक्षेप करें।

3. परियोजना कार्य (PROJECT WORK)

विद्यार्थी को शैक्षिक सत्र में विषय से सम्बन्धित एक प्रोजेक्ट कार्य करना होगा। विद्यार्थी प्रोजेक्ट कार्य हेतु विषय से सम्बन्धित किसी भी टॉपिक का विषयाध्यापक से परामर्श कर चयन कर सकता है।

4. सतत मूल्यांकन–इकाई परीक्षा (CONTINUOUS ASSESSMENT- UNIT TEST)

कक्षा 9–

सत्र में कुल 04 इकाई परीक्षायें होंगी (02 इकाई परीक्षायें अर्द्धवार्षिक परीक्षा से पूर्व तथा 02 अर्द्धवार्षिक परीक्षा के उपरान्त)। अर्द्धवार्षिक परीक्षा के परीक्षाफल निर्माण हेतु प्रथम दो इकाई परीक्षाओं (प्रथम व द्वितीय) में से अधिक प्राप्तांक वाली इकाई परीक्षा के अंक लिये जायेंगे तथा इन अंकों को 05 के भारांक में परिवर्तित किया जायेगा। इसी प्रकार वार्षिक परीक्षा के परीक्षाफल निर्माण हेतु अन्तिम दो इकाई परीक्षाओं (तृतीय व चतुर्थ) में से अधिक प्राप्तांक वाली इकाई परीक्षा के अंक लेकर इन अंकों को 05 के भारांक में परिवर्तित किया जायेगा।

कक्षा 10–

सत्र में कुल 03 इकाई परीक्षायें (02 इकाई परीक्षायें अर्द्धवार्षिक परीक्षा से पूर्व तथा 01 अर्द्धवार्षिक परीक्षा के उपरान्त) तथा 01 प्री–बोर्ड परीक्षा होगी। अर्द्धवार्षिक परीक्षा के परीक्षाफल निर्माण हेतु प्रथम दो इकाई परीक्षाओं (प्रथम व द्वितीय) में से अधिक प्राप्तांक वाली इकाई परीक्षा के अंक लिये जायेंगे तथा इन अंकों को 05 के भारांक में परिवर्तित किया जायेगा। परिषदीय परीक्षा के आन्तरिक मूल्यांकन हेतु तीन इकाई परीक्षाओं में से सर्वाधिक प्राप्तांक वाली इकाई परीक्षा के अंक लेकर इन अंकों को 05 के भारांक में परिवर्तित किया जायेगा।

*****